समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

तेलंगाना मे खेल बजट 16 गुना बढ़ा : राज्य सरकार का लक्ष्य 'वैश्विक खेल हब' बनाना

Publisher

Published on 29 Aug 2025

भारत में खेलों का महत्व लगातार बढ़ रहा है और अब तेलंगाना राज्य ने इस दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य सरकार ने खेल क्षेत्र के बजट को **16 गुना** बढ़ाने की घोषणा की है। इस निर्णय को न सिर्फ राज्य बल्कि पूरे देश के खेल परिदृश्य के लिए मील का पत्थर माना जा रहा है।

तेलंगाना का स्पष्ट लक्ष्य है – **राज्य को आने वाले वर्षों मे 'वैश्विक खेल हब' के रूप मे स्थापित करना।**

इतिहास और पृष्ठभूमि

तेलंगाना एक ऐसा राज्य है, जिसने बीते कुछ वर्षों में क्रिकेट, बैडमिंटन और कुश्ती जैसे खेलों में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। हैदराबाद बैडमिंटन का गढ़ बन चुका है और यहां से पी.वी. सिंधु और साइना नेहवाल जैसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी निकल चुके हैं।

लेकिन अब सरकार का इरादा सिर्फ कुछ खेलों तक सीमित नहीं है, बल्कि फुटबॉल, एथलेटिक्स, हॉकी, कबड्डी और स्विमिंग जैसे विभिन्न खेलों में विश्व स्तर की प्रतिभा विकसित करना है।

खेल बजट मे 16 गुना वृद्धि

पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस बार राज्य सरकार ने खेल बजट को **16 गुना अधिक** कर दिया है।

- पहले जहाँ बजट केवल **₹500 करोड़** के आसपास था, अब इसे बढ़ाकर **₹8,000 करोड़** से अधिक कर दिया गया है।
- यह रकम स्टेडियम निर्माण, नई खेल अकादमियों, कोचिंग सुविधाओं और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग देने पर खर्च की जाएगी।

यह देश के किसी भी राज्य का अब तक का सबसे बड़ा खेल बजट है।

मुख्यमंत्री का दृष्टिकोण

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा:
"[illegible]"

बजट का इस्तेमाल कहाँ होगा ?

सरकार ने खेल बजट को कई हिस्सों में विभाजित किया है:

1. **विश्वस्तरीय स्टेडियम निर्माण** – हैदराबाद और अन्य प्रमुख शहरों में ओलंपिक मानकों के स्टेडियम बनाए जाएंगे।
2. **खेल अकादमी और प्रशिक्षण केंद्र** – हर जिले में कम से कम एक आधुनिक स्पोर्ट्स अकादमी खोली जाएगी।
3. **अंतरराष्ट्रीय कोचों की नियुक्ति** – खिलाड़ियों को विदेश जाने की बजाय भारत में ही विश्वस्तरीय कोच उपलब्ध कराए जाएंगे।
4. **ग्रामीण खेलों पर जोर** – कबड्डी, खो-खो और कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों को भी बढ़ावा मिलेगा।
5. **महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहन** – महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष योजनाएं और छात्रवृत्तियाँ चलाई जाएंगी।

खिलाड़ियों की प्रतिक्रिया

तेलंगाना के बैडमिंटन स्टार्स और युवा खिलाड़ियों ने इस पहल का स्वागत किया है।

- **पीवी सिंधु** ने कहा: *"[illegible]"*
- युवा एथलीटों का मानना है कि अब उन्हें ट्रेनिंग के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

खेल विशेषज्ञों की राय

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के विशेषज्ञों का मानना है कि तेलंगाना का यह कदम देश के अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। स्पोर्ट्स विश्लेषक **हर्षा भोगले** ने ट्वीट किया:
"[illegible]"

वैश्विक हब बनने की राह

तेलंगाना ने सिर्फ बजट ही नहीं बढ़ाया, बल्कि '**स्पोर्ट्स टूरिज्म पॉलिसी**' भी बनाई है।

- हैदराबाद में आने वाले वर्षों में **अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन** कराने की योजना है।
- सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक तेलंगाना एशिया के शीर्ष खेल स्थलों में शामिल हो।

संभावित चुनौतियाँ

हालांकि, इतनी बड़ी पहल के साथ चुनौतियाँ भी हैं:

- बजट का पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करना।
- ग्रामीण स्तर पर खेलों को लोकप्रिय बनाना।
- खिलाड़ियों को सिर्फ सुविधाएँ ही नहीं, बल्कि मानसिक और पोषण संबंधी सहयोग भी उपलब्ध कराना।

अगर सरकार इन चुनौतियों का समाधान कर पाती है, तो निश्चित ही तेलंगाना विश्व खेल मानचित्र पर बड़ी पहचान बना सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.